

कन्याओं के पूजन से गुंजा मढ़िया माता मंदिर

न्यू स्टैंडर्ड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स ने कराया मठ्य कन्या भोज

रायबरेली। शारदीय नवरात्रि के समापन और महानवमी के पावन अवसर पर न्यू स्टैंडर्ड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स (एनएसजीआई) की ओर से एनएसपीएस त्रिपुला स्थित मढ़िया माता मंदिर परिसर में कन्या पूजन, कन्या भोज का भव्य आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ किया गया। इस दौरान मां भगवती की विधिवत पूजा-अर्चना कर विश्व कल्याण की कामना की गई। कार्यक्रम में सर्वप्रथम एनएसजीआई संस्थापक-प्रबंधक डॉ. शशिकांत शर्मा ने संस्थान की विभिन्न शाखाओं के प्रधानाचार्यों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के साथ मां भगवती के दरबार में पूर्ण विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और मां को भोग अर्पित किया। सैकड़ों कन्याओं ने हलवा, चना और पूड़ी का प्रसाद ग्रहण कियं



तत्पश्चात् सभी कन्याओं को उपहार भेंट किए गए। इस अवसर पर डॉ. शर्मा ने कहा कि नवरात्रि में कन्या पूजन भारतीय संस्कृति की एक महत्वपूर्ण परंपरा है, जो नारी शक्ति के सम्मान और उनके महत्व को रेखांकित करती है। बालिकाएं समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला हैं, उनकी शिक्षा और सशक्तिकरण के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना हम सभी का दायित्व है। इस अवसर पर प्रधानाचार्य शिवलखन प्रजापति,

राजीव सिंह, तारकेश्वर सिंह, इंद्र विक्रम सिंह सहित शिवकरन पाल, संचिता त्रिवेदी, आदित्य मिश्रा, रमाशंकर पाठक, राजेश मौर्या, बलराज राना, लालमणि चौधरी, समर बहादुर यादव, विकास यादव, छोटे लाल यादव, सुरेश चौधरी (दानी), केके साहू, सरवन आजाद, राहुल यादव, राजेश सिंह, संजय मौर्या, गिरीश श्रीवास्तव, देव शंकर शुक्ला, संजय श्रीवास्तव समेत शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

बाजपेईपुर शीतला धाम में कन्या भोज व विशाल भंडारा

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के प्रसिद्ध सिद्धपीठ बाजपेईपुर स्थित शीतला धाम मंदिर में खुबीर रेलिंग मिल्स के प्रबंध निदेशक और प्रसिद्ध समाजसेवी पंडित रमेश कुमार दीक्षित द्वारा कन्या भोज एवं विशाल भंडारे का आयोजन कराया गया। भंडारे में बड़ी संख्या में कन्याओं ने प्रसाद ग्रहण किया और सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भंडारे में पहुंचकर मां का प्रसाद पाया। पूरे दिन मंदिर परिसर प्णय शीतला माताएं के जयकारों से गुंजता रहा। इस अवसर पर पंडित रमेश दीक्षित ने कहा कि बाजपेईपुर का मां शीतला धाम केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की आस्था और संस्कृति का केंद्र है। पंडित रमेश दीक्षित ने बताया कि शीतला धाम का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व बहुत बड़ा है। मान्यता है कि यह धाम कई सौ वर्ष प्राचीन है। क्षेत्र के सभी शुभ और मांगलिक कार्य, चाहे वह मुंडन हो, शादी-विवाह हो या नई फसल की शुरुआत, मां शीतला के दर्शन-पूजन के बिना अधूरे माने जाते हैं। पहले मां के दरबार में माथा टेककर ही लोग अपने कार्य की शुरुआत करते हैं। शास्त्रों में मां शीतला को आरोग्य की देवी कहा गया है। कहा जाता है कि जो भी भक्त सच्चे



मन से मां शीतला की आराधना करता है, उसके परिवार में रोग, कष्ट और महामारी नहीं आती। माता अपने भक्तों को शीतलता प्रदान करती हैं और उनके सभी ताप-स्ताप हर लेती हैं। खुबीर हॉस्पिटल की निदेशक डॉक्टर मोनिका मिश्रा ने बताया कि नवरात्रि और चौत्र माह में यहां विशाल मेले का आयोजन होता है, जिसमें दूरदर्शन से हजारों श्रद्धालु आते हैं। स्थानीय लोगों में ऐसी मान्यता है कि मां शीतला के आशीर्वाद से ही क्षेत्र में सुख-समृद्धि बनी हुई है। खुबीर हॉस्पिटल के चेयरमैन एवं समाजसेवी

रमेश दीक्षित लगातार धार्मिक और सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाते रहते हैं। उनके द्वारा कराए गए इस भंडारे की क्षेत्र में काफी सराहना हो रही है। इस अवसर पर शशांक दीक्षित, श्रीमती शुभा दीक्षित, अगम दीक्षित का विशेष सहयोग रहा। भाजपा नेता अनूप पांडे, लक्ष्म दीक्षित, महादेव दीक्षित, गोविंद दीक्षित, अम्बुज दीक्षित रज्जन शुक्ला, प्रशांत, आलोक द्विवेदी, हरीदीक्षित, रवि बाजपेई, रविर्नंदन, शशिकांत तिवारी, किस्मन, वीरू दीक्षित आदि सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

एक नजर

नवरात्रि के आखिरी दिन हवन पूजन और कन्या भोज की रही धूम



अमेठी। शारदीय नवरात्र के आखिरी दिन सोमवार को श्रद्धालुओं ने नव दुर्गा के नवम स्वरूप मां सिद्धिदात्री की पूजा अर्चना की। आखिरी दिन हवन पूजन और कन्या पूजन व भोज की चारों ओर धूम मची रही। भोर से ही देवी मंदिरों में हवन पूजन को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। क्षेत्र के संग्रामपुर स्थित सिद्धपीठ मां कालिकन धाम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन हवन पूजन किया।श्री कालिका देवी सेवा समिति कोलकाता के तत्वावधान में यहां सोमवार को सुन्दर काण्ड का पाठ और 251 कन्याओं पूजन कर भोज कराया गया। इसके अलावा मन्दिर परिसर में विभिन्न श्रद्धालुओं की ओर से टिकरी चढ़ाई गयी।गीरीगंज स्थित दुर्गन भवानी मंदिर में भी भक्तो की भारी भीड़ रही।विशेश्वरांज स्थित काली माई मंदिर शाहगढ़ स्थित दुर्गन भवानी माता ढिंगलाज भवानी श्री देवीघाटन माता धमसा धाम माता मवई धाम गायत्री मन्दिर आदि प्रतिष्ठित देवी मंदिरों में नवरात्र के आखिरी दिन भक्तो की भारी भीड़ रही।नारियल चुनरी और विविध प्रसाद चढ़ाकर श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की।देवी मंदिरों में बड़े पैमाने पर कन्या पूजन और भोज का आयोजन हुआ।पूजा पंडालों में भी कहीं कहीं कन्या भोज पूजा अर्चना और आरती की गई।बुरो में व्रतियों ने हवन और कन्या भोज किया। इस दौरान प्रशासन सजग रहा मंदिरों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था।

मगवान श्रीराम ने माता शबरी को दिया

नवधा भक्ति का उपदेश

मुंशीगंज अमेठी।। क्षेत्र के सरायखेमा गांव में आदर्श रामलीला समिति की ओर से आयोजित दस दिवसीय रामलीला के सातवें दिन रविवार रात सीता हरण शबरी मिलन जटाघु और रावण युद्ध राम-हनुमान मिलन के प्रसंगों का मंचन किया गया। कलाकारों के सजीव अभिनय ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।रावण द्वारा साधु का वेश धारण कर माता सीता का हरण और उनकी रक्षा में जटाघु के बलिदान के दृश्य ने दर्शकों की भावुक कर दिया। वहीं भगवान राम और शबरी के मिलन जहाँ भगवान श्रीराम ने माता शबरी को नवधा भक्ति का उपदेश दिया।प्रथम भगति संतंह कर संगीा दूसरि रति मम कथा प्रसंगा तृतीय भगति गुरु पद सेवा चउथि भगति मम गुन गन करइ करप तसि गान।पैचम पूर्ण विश्वास के साथ भगवान के नाम का जप करना।छठवीं इंद्रियों का दमन शील और वैराग्य रखना।सप्तम सम मोहि मय जग देखै आठव जथालाभ संतोषा नवम सरल सब सन छलहींना।अगले प्रसंग में श्रीराम-हनुमान की भेंट ने खूब सराहना बटोरी।रामलीला देखने के लिए गांव और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्रामीण व श्रद्धालु पहुंचे। समिति से जुड़े गाथात्री प्रसाद मिश्र ने बताया कि रामलीला के जरिए भगवान श्रीराम के आदर्शों मर्यादा और नैतिक मूल्यों का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाता है। यह आयोजन समाज में प्रेम एकता सद्भाव और सहयोग की भावना को भी मजबूत करता है। ग्रामीणों के सहयोग से हर वर्ष आयोजित होने वाली रामलीला में इस बार भी पुराने और नए कलाकार विभिन्न प्रसंगों का मंचन कर रहे हैं। इस मौके पर धीरज सिंह संतोष वीर प्रताप जितेंद्र सौरभ।

सुपर जोनल व जोनल एवं सेक्टर

मजिस्ट्रेट को दिया गया प्रशिक्षण

अमेठी। गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन-2026 को सकुशल निर्वाचन एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार को विकास भवन सभागार में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें दो सुपर जोनल मजिस्ट्रेट चार जोनल मजिस्ट्रेट 12 सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा पूर्व में प्रशिक्षण से छूटे चार माइक्रो ऑब्जर्वर को निर्वाचन संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रधानाचार्य आईटीआई जगदीशपुर अजय सिंह ने प्रोजेक्टर एवं पीपीटी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अधिकारियों को निर्वाचन प्रक्रिया को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने निर्वाचन के दौरान अधिकारियों की भूमिका उनके दायित्वों निगरानी एवं पर्यवेक्षण की प्रक्रिया तथा विभिन्न परिस्थितियों में बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों के बारे में विस्तार से समझाया। प्रशिक्षण के दौरान निर्वाचन प्रक्रिया को व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाए रखने निर्धारित दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने तथा मतदान के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जानकारी दी गई। साथ ही अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतर्कता के साथ दायित्वों का निर्वहन करने तथा निर्वाचन से संबंधित व्यवस्थाओं की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के संबंध में भी अवगत कराया गया। प्रशासन द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष शांतिपूर्ण एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण करने तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

डांडिया कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अमेठी। दुर्गा पूजा महोत्सव के दौरान विभिन्न पूजा समितियों की ओर से विविध आयोजन किए जा रहे हैं। नगर के रायपुर फुलवारी स्थित श्री देवी पाटन दुर्गा पूजा समिति के पूजा पंडाल में रविवार देर रात डांडिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों की संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। कार्यक्रम आयोजक मौनू सोनी चित्रांशु जायसवाल समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे।

सुलतानपुर की दुर्गापूजा में दिखता है भव्यता का चरम

रावण दहन से शुरू होगा पूर्वाचल का ऐतिहासिक दुर्गापूजा महोत्सव

सुल्तानपुर। देश में कलकत्ता शहर के बाद दुर्गापूजा की भव्यता का चरम सुलतानपुर की दुर्गापूजा में दिखता है। यहाँ मां भगवती की नौ दिन आराधना के बाद दशहरा से पंडालो की सजावट शुरू होती है पूरे देश में जब नवरात्रि के समय 9 दिन तक दुर्गा पूजा का व्रत रहकर लोग समापन कर देते हैं तब सुल्तानपुर में दशहरा के दिन से दुर्गा पूजा महोत्सव शुरू होकर पूर्णिमा तक चलता है और उसके बाद 3 दिन की ऐतिहासिक विसर्जन शोभायात्रा गाजियाबाद के साथ शुरू होती है जो अपने आप में एक मिसाल कायम की हुई है और पांच दिनों तक अलग अलग तरह से होने वाली भव्य सजावट और दुर्गा जागरण से शहर अलौकिक हो उठता है, जिसे देखने के लिए पूरे उत्तर प्रदेश के साथ देश भर से लोग शामिल होते हैं। सबसे आकर्षक यहाँ का विसर्जन होता है जो परंपरा से हटकर पूर्णिमा को सामूहिक शोभायात्रा के रूप में शुरू होकर करीब 36 घंटे में सम्पन्न होता है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से वाराणसी राजमार्ग पर करीब 140 किलोमीटर, प्रभु श्रीराम चंद्र जी की अयोध्या से करीब 65 किलोमीटर, प्रयागराज से 100 तथा



बाबा भोलेनाथ की नगरी काशी से 155 किलोमीटर की दूरी पर जिला सुलतानपुर स्थित है। यहाँ लखनऊ, वाराणसी, अयोध्या और प्रयागराज से सीधे सड़क और रेल मार्ग से पहुँचा जा सकता है। गोमती नदी के तट पर स्थित यह भगवान श्रीराम के पुत्र भगवान कुश की कुशभवनपुर नगरी है। प्राचीनकाल में इसे भगवान कुश ने बसाया था जिससे इसे कुशभवनपुर के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मामलों में भी यह साम्प्रदायिक सौहार्द के लिए उल्लेखनीय स्थान रखता है। देश की राजधानी कहीं जाने वाली दिल्ली हो या फिर आर्थिक राजधानी मुंबई हो

सभी अपनी अपनी विशेषताओं के लिए पहचाने जाते हैं। अपनी अनेक पहचान वाला उत्तर प्रदेश जिसमें नवाबों की नगरी लखनऊ एवं राम नगरी अयोध्या मौजूद है। जहां दशहर के पर्व पर सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं, पर इन सभी जिलों के रंग सुलतानपुर दुर्गापूजा महोत्सव के आगे फीके पड़ जाते हैं। यही वजह है कि देश में उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले का दुर्गापूजा महोत्सव कोलकाता से भी पहले स्थान रखता है। कोलकाता में संख्या बल या सज्जा में भले पहला स्थान रखता हो किंतु की अन्य

हरदोई में झड़वर-नौकरानी की जोड़ी गिरफ्तार घर से उड़ाए नकदी-जेवर,1.90 लाख कैश और सोने के आभूषण बरामद

सपा नेता प्रखर सिंह कलहंस ने मां के दरबार पहुंचकर किया पूजन

तुलसीपुर/बलरामपुर। तुलसीपुर विधानसभा क्षेत्र में शारदीय नवरात्र के नवमी के दिन भक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा। जगह-जगह स्थापित दुर्गा पंडालों में भक्तों की भारी भीड़ दर्शन के लिए पहुंच रही है, वहीं रामलीला मंचनों से पूरा क्षेत्र रममय बना हुआ है। इसी क्रम में समाजवादी पार्टी व्यापार सभा के प्रेक्षक सचिव प्रखर सिंह कलहंस नेमाता केनौवे स्वरूप की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंनेतुलसीपुरक्षेत्र केविभिन्न गांवों व कस्बों में स्थापित दुर्गा पंडालों में पहुंचकर माता गनी का दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

ऐतिहासिक है अमेठी का दशहरा और भरत मिलाप

अमेठी। हमारी सांस्कृतिक धरोहर को पर्वों और त्योहारों ने बखूबी संभाल रखा है जो परंपरागत तरीके से हमें बहुत कुछ सीख देते हैं।अमेठी का दशहरा और भरत मिलाप अपने आप में ऐतिहासिक है जिसकी सुदूरवर्ती क्षेत्रों तक ख्याति है। दूर-दूर से लोग यहां दशहरा और भरत मिलाप देखने आते हैं। विगत कई दशकों से यहां के दशहरा और भरत मिलाप का आकर्षक परिदृश्य स्वयं में निगला है अमेठी के एक दिन बाद प्रतापगढ़ का ऐतिहासिक भारत मिलाप होता है। भरत मिलाप के मेले में यहां दर्जन भर से अधिक झांकियां सजती हैं और

इससे कहीं अधिक बैंड होते हैं। इन झांकियों के माध्यम से हमारे ऐतिहासिक पौराणिक दृश्य का सजीव मंचन होता है।वही बैंड बाजे भी गजब की मनोहर संगीत और वाद्य यंत्रों की धुन जिसमें होड़ सी रही है। अपना शानदार प्रदर्शन करते हैं।दिसियों हजार दर्शक रात भर बसुकर पर टहलकर भरत मिलाप का लुफ्तउठाते हैं।इधर बीच के कुछ वर्षों में भरत मिलाप पर झंझावात के बादल छाए थे जो समय के साथ छंट गए और सुचारु रूप से भरत मिलाप यहां फिर मनाया जाने लगा। इस वर्ष पूरी जोर-शोर के साथ तैयारी की जा रही है।गंगा यमुनी तहजीब

भरत मिलाप के मेले में यहां दिखाई देती है। यह झांकियां रात भर सड़कों पर भ्रमण करते हुए अपने-अपने झांकी का शानदार प्रदर्शन करती है उनके साथ उनका बैंड रहता है जो मधुर संगीत के साथ संबंधित झांकी पर अपना प्रदर्शन करता है। प्रातः काल सभी झांकियां प्रतियोगिता की दृष्टि अपना प्रदर्शन करती हैं झांकियों के प्रदर्शन के बाद बैंडों का प्रदर्शन होता है। इसमें प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान का निर्धारण निर्णायक मंडल द्वारा किया जाता है और अतिथिगण इस शानदार प्रस्तुति को देखते हैं। बड़ी संख्या में नगर वासी ग्रामीण अंचल और

सुदूरवर्ती क्षेत्र से भी लोग यहां जमा होकर ऐतिहासिक भरत मिलाप का लुफ्तउठाते हैं।कुछ मंडल है जो अपने शानदार प्रस्तुति के लिए जाने जाते हैं।रात भर श्री राम और श्री भरत का रथ अलग-अलग क्षेत्र से भ्रमण करते हुए सुबह एकत्रित होता है यही भरत मिलाप होता है। आरती उतारी जाती है और कार्यक्रम का समापन होता है।विजयदशमी का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है रामलीला का मंचन रामलीला मैदान में होता है मंचन के उपरांत निर्धारित समय पर रावण के वध के साथ ही रावण के विशाल पुतले का दहन किया जाता है।

एक नजर

ऐतिहासिक संगमलाल चौक घंटाघर का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण पूरा, पालिकाध्यक्ष ने किया लोकार्पण



सुल्तानपुर, नगर पालिका परिषद द्वारा नगर के हृदय स्थल स्थित ऐतिहासिक संगमलाल चौक घंटाघर का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्य पूरा करा लिया गया है। रविवार को पालिकाध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर इसका लोकार्पण किया। कार्यक्रम का आयोजन एवं संयोजन स्थानीय सभासद दिनेश चौरसिया के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल ने बताया कि इस ऐतिहासिक स्मारक का वर्ष 2008 में राजस्थानी पर्यटकों से जीर्णोद्धार कराया गया था। वर्तमान में स्थानीय नागरिकों एवं सभासद की मांग पर नगर पालिका द्वारा घंटाघर में लगी खराब घड़ियों को बदलवाकर डिजिटल घड़ियां लगवाई गई हैं। इसके साथ ही फिलिप्स कंपनी के विशेषज्ञों के माध्यम से आकर्षक आधुनिक सजावटी फसाद लाइटें लगावाई गई हैं, जिनकी गारंटी पांच वर्ष की है। इन लाइटों से रात के समय घंटाघर की भव्यता और सुंदरता देखते ही बनती है। उन्होंने बताया कि घंटाघर में लगा पुराना घंटा भी पुनः सुचारु कर दिया गया है, जो प्रत्येक घंटे अपनी ध्वनि से लोगों को समय का एहसास कराता है। स्मारक की आवश्यक मरम्मत एवं जीर्णोद्धार के दौरान इसके मूल स्वरूप और ऐतिहासिक पहचान को सुरक्षित रखने का विशेष ध्यान रखा गया है। लोकार्पण समारोह में सभासद दिनेश चौरसिया, श्रीमती सुशीला देवी, मनीष जायसवाल, मंगरू प्रसाद प्रजापति, अरुण कुमार तिवारी, अरशद हबीब, प्रवीण मिश्रा उपस्थित रहे

अजगढ ने गाय के बछड़े को निगला,गांव में मचा हड़कंप

सुल्तानपुर विशालकाय अजगर ने गाय के बछड़े को निगला,गांव में मचा हड़कंप।सोहागौली सधारीपुर में अजगर को देखने के लिए जुटी ग्रामीणों की भीड़,वन विभाग की टीम सक्रिय। कुड़वार थाना क्षेत्र के सोहागौली सधारीपुर गांव के पास विशालकाय अजगर द्वारा गाय के बछड़े को निगलने की घटना से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया।अजगर को देखने के लिए मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम सक्रिय हो गई।विशालकाय अजगर को देखकर ग्रामीणों में कौतूहल के साथ दहशत का माहौल है।घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की टीम मामले में आवश्यक कार्रवाई के लिए सक्रिय है।

रावण का होगा कब्जा,आवाजाही बन्द

सुल्तानपुर आगामी नवरात्रि, दशहरा और दुर्गा प्रतिमा विसर्जन को लेकर पुलिस ने शहर का ट्रैफिक प्लान जारी कर दिया है। 20 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक रहेगी। पुलिस के मुताबिक अमहट, पयागीपुर, बसराजपुर मोड़, भुलकी चौराहा, देढुई तिराहा रोड 11 प्रमुख एंटी वाइट से भारी वाहनों को शहर में नहीं आने दिया जाएगा। सप्ताह बसों को देढुई तिराहे से शहर में एंटी देनर छरुतिराहे से निकाला जाएगा। विसर्जन के दिन है-रिक्षा तक पर रोक रहेगी। 20 अक्टूबर को रावण दहन के चलते दोलहर दो बजे से गर्भछड़िया फ्लाईओवर बंद रहेगा, जबकि 21 अक्टूबर को भरत मिलाप पर पयागीपुर रूट डायवर्ट रहेगा। एम्बुलेंस को छूट दी गई है।

हरदोई में पारुल दीक्षित के समर्थन में उतरे डॉ. अशोक बाजपेयी, बोले- अनावश्यक सलाह की जरूरत नहीं

हरदोई में भाजपा के पूर्व सांसद डॉ. अशोक बाजपेयी ने पारुल दीक्षित को युवा, जुझारू और पार्टी का कर्मठ नेता बताया। उन्होंने कहा कि पारुल दीक्षित को अपनी कार्यशैली है और वह लगातार लोगों की सेवा करते हैं। किसी को उनके काम करने के तरीके पर व्यक्तिगत आपत्ति है, तो इससे पार्टी का विषय नहीं बनता। डॉ. बाजपेयी ने कहा, अनावश्यक परामर्श नहीं देनी चाहिए। हर व्यक्ति विवेकशील है और अपना निर्णय स्वयं करेगा। ऐसे परामर्श देने से कोई लाभ नहीं। उनका यह बयान आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल को इस टिप्पणी के संदर्भ में चर्चा में बंद है, जिसमें उन्होंने कहा था कि जिसे चुनाव लड़ना है, वह पार्टी छोड़कर मैदान में आए। हालांकि, नितिन अग्रवाल ने उस बयान में किसी का नाम नहीं लिया था। डॉ. बाजपेयी की टिप्पणी को पारुल दीक्षित प्रकरण से जोड़कर देखा जा रहा है

हरदोई मेडिकल कॉलेज की ओटी में 4 घंटे इंतजार,मरीज की मौत

हरदोई मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आर्थो विभाग में सत्येंद्र की मौत का मामला अब अस्पताल प्रशासन के लिए गंभीर सवाल बन गया है। परिजनों का आरोप है कि शनिवार सुबह करीब 11 बजे ऑपरेशन के लिए उन्हें ओटी में ले जाया गया, लेकिन करीब चार घंटे तक ऑपरेशन शुरू नहीं हुआ। इसी दौरान उनकी मौत हो गई। इसके बाद परिजनों को बताया गया कि हार्ट, धड़कन रुकने और सांस की समस्या के कारण उनकी जान गई। लेकिन पोस्टमार्टम में पेल्विक बोन यानी कूल्हे की हड्डी टूटने की बात सामने आने के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया। अब अगर निदेशक (चिकित्सा शिक्षा) ने मेडिकल कॉलेज के प्रचार्य से बिंदुवार स्पष्टीकरण मांगा है। शहर कीकतवाली क्षेत्र के बौर्यापुरवा निवासी सत्येंद्र को अचानक गिरने से चोट लगी थी। उनके भतीजे राहुल के मुताबिक, शुक्रवार शाम उन्हें मेडिकल कॉलेज के आर्थो वार्ड में भर्ती कराया गया था। डॉ. अविक राय और डॉ. विनीश वर्मा की देखरेख में इलाज चल रहा था।ऑपरेशन की सलाह पर परिजन तैयार थे।शनिवार सुबह सत्येंद्र को स्ट्रेचर पर ओटी में पहुंचाया गया।आरोप है कि घंटों तक ऑपरेशन नहीं हुआ और लापरवाही के चलते उसकी मौत हो गई।बाद में उन्हें इमरजेंसी ले जाया गया, जहां एक घंटे तक ऑक्सिजन देने के बाद शाम चार बजे मौत घोषित कर दिया गया। मौत के कारणों और इलाज के दौरान हुई घटनाओं को लेकर अब जवाबदेही के सवाल उठ रहे हैं। चार घंटे तक ऑपरेशन क्यों नहीं हुआ ? मरीज की हालत बिगड़ने पर क्या किया गया ? परिजनों को बताई गई मौत की वजह और पोस्टमार्टम में सामने आए तथ्य पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हैं। आखिर अस्पताल में इलाज कराने आए मरीज की मौत के मामले में जिम्मेदारी किसकी है ? क्या जांच में हर पहलू की पड़ताल होगी और लापरवाही सामने आने पर जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी ? अपर निदेशक ने जवाब तलब किया है, ऐसे में अब प्रचार्य के स्पष्टीकरण और आगे की कार्रवाई पर निगाहें टिकी हैं। शहर कोतवाल संजय त्यागी ने बताया कि पोस्टमार्टम कराया गया है। रिपोर्ट के तथ्यों के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। सत्येंद्र की मौत का सच सामने आना और जिम्मेदारी तय होना जरूरी है, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिलने की उम्मीद बनी रहे।

पुरानी व्यवस्था बहाल किये जाने की मांग को लेकर सीएम सम्बोधित ज्ञापन डीएम को भेजा

तुलसीपुर/बलरामपुर। जमीन की रजिस्ट्री के बाद नामांतरण की ऑनलाइन व्यवस्था को लेकर तुलसीपुर के अधिकारियों ने विवाद उठाए हैं। बार एसोसिएशन ने इस प्रक्रिया में काश्टकारों को हो रही कथित परेशानियों का हवाला देते हुए पुरानी व्यवस्था फिर से लागू करने की मांग की है। इस संबंध में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से संपूर्ण समाधान दिवस पर भेजा गया। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कमल नयन मणि तिवारी और महामंत्री रविन्द्र कुमार मिश्र सहित अन्य अधिकारियों ने ज्ञापन में कहा है कि नई व्यवस्था के तहत बैनामा नामांतरण की पत्रावली हल्का लेखपाल को भेजी जाती है, जहां विभिन्न बिंदुओं पर रिपोर्ट लगाई जाती है। एसोसिएशन का आरोप है कि रिपोर्ट लगाने के नाम पर कुछ लेखपालों द्वारा काश्टकारी से 10 से 20 हजार रुपये तक की मांग की जा रही है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम MOHD JAVED SHARIF था। अब मेरा वास्तविक नाम MOHD JAVED है। भविष्य में मुझे MOHD JAVED नाम से जाना एवं पहचाना जाए। मैं/मो. जावेद पुत्र मो. शरीफनिवासी- जौतियामऊ, तहसील डलमऊ, जनपद रायबरेली, उत्तर प्रदेश।

